

Baadh Dashaan

Set No. 1

Question Booklet No.

14P/276/5

(To be filled up by the candidate by blue/black ball-point pen)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

1 No. (Write the digits in words) .....

Serial No. of OMR Answer Sheet .....

Signature and Date .....

(Signature of Invigilator)

## INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

(Use only *blue/black ball-point pen* in the space above and on both sides of the Answer Sheet)

1. Within 10 minutes of the issue of the Question Booklet, check the Question Booklet to ensure that it contains all the pages in correct sequence and that no page/question is missing. In case of faulty Question Booklet bring it to the notice of the Superintendent/Invigilators immediately to obtain a fresh Question Booklet.
2. Do not bring any loose paper, written or blank, inside the Examination Hall *except the Admit Card without its envelope*.
3. *A separate Answer Sheet is given. It should not be folded or mutilated. A second Answer Sheet shall not be provided. Only the Answer Sheet will be evaluated.*
4. Write your Roll Number and Serial Number of the Answer Sheet by pen in the space provided above.
5. *On the front page of the Answer Sheet, write by pen your Roll Number in the space provided at the top and by darkening the circles at the bottom. Also, wherever applicable, write the Question Booklet Number and the Set Number in appropriate places.*
6. *No overwriting is allowed in the entries of Roll No., Question Booklet no. and Set no. (if any) on OMR sheet and Roll No. and OMR sheet no. on the Question Booklet.*
7. *Any change in the aforesaid entries is to be verified by the invigilator, otherwise it will be taken as unfair means.*
8. *Each question in this Booklet is followed by four alternative answers. For each question, you are to record the correct option on the Answer Sheet by darkening the appropriate circle in the corresponding row of the Answer Sheet, by pen as mentioned in the guidelines given on the first page of the Answer Sheet.*
9. For each question, darken only one circle on the Answer Sheet. If you darken more than one circle or darken a circle partially, the answer will be treated as incorrect.
10. *Note that the answer once filled in ink cannot be changed. If you do not wish to attempt a question, leave all the circles in the corresponding row blank (such question will be awarded zero marks).*
11. For rough work, use the inner back page of the title cover and the blank page at the end of this Booklet.
12. Deposit only *OMR Answer Sheet* at the end of the Test.
13. You are not permitted to leave the Examination Hall until the end of the Test.
14. If a candidate attempts to use any form of unfair means, he/she shall be liable to such punishment as the University may determine and impose on him/her.

Total No. of Printed Pages : 24

[उपर्युक्त निर्देश हिन्दी में अन्तिम आवरण पृष्ठ पर दिये गए हैं।]



collegedunia.com  
India's largest Student Review Platform

**14P/276/5**

**ROUGH WORK**  
रफ़ कार्य

**2**

**14P/276/5**

**No. of Questions : 150**

**प्रश्नों की संख्या : 150**

**Time : 2 Hours**

**Full Marks : 450**

**समय : 2 घण्टे**

**पूर्णाङ्क : 450**

**Note :** (1) Attempt as many questions as you can. Each question carries 3 (Three) marks. **One mark will be deducted for each incorrect answer. Zero** mark will be awarded for each unattempted question.

अधिकाधिक प्रश्नों को हल करने का प्रयत्न करें। प्रत्येक प्रश्न 3 (तीन) अंकों का है। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक काटा जायेगा। प्रत्येक अनुत्तरित प्रश्न का प्राप्तांक शून्य होगा।

(2) If more than one alternative answers seem to be approximate to the correct answer, choose the closest one.

यदि एकाधिक वैकल्पिक उत्तर सही उत्तर के निकट प्रतीत हों, तो निकटतम सही उत्तर दें।

**01.** भगवान बुद्ध बाल्यकालस्य नाम अस्ति -

- (1) सिद्धार्थः (2) धर्मार्थः (3) मुक्तार्थः (4) केशस्वामी

**02.** बुद्धस्य निर्वाणस्थलं अस्ति -

- (1) लुम्बिनी (2) देवदहः (3) कुशीनगरः (4) पावा

**03.** लुम्बिन्याः शिलालेखे जन्मोऽस्य उल्लेखः अस्ति -

- (1) अशोकः (2) बिन्दुसारः (3) चन्द्रगुप्त मौर्यः (4) बुद्धः

**04.** धम्मचक्कपवत्तनसुत्ते मुख्यविषयोऽस्ति -

- (1) चत्वारः आर्यसत्यः मध्यममार्गश्च (2) प्रब्रज्या धर्मः  
(3) विनयस्य नियमः (4) निर्वाणस्य स्वरूपं

14P/276/5

05. बुद्धसम्मतः कारणतायाः सिद्धान्तः अस्ति -

- |                       |                       |
|-----------------------|-----------------------|
| (1) सप्त भङ्गीनयः     | (2) प्रत्ययसिद्धान्तः |
| (3) प्रतीत्यसमुत्पादः | (4) क्षणभङ्गवादः      |

06. कस्य देशस्य मुख्यतया भाषा पालिः आसीत् -

- |                 |                      |
|-----------------|----------------------|
| (1) अङ्देशे     | (2) बङ्देशे          |
| (3) कलिङ्ग देशे | (4) मध्यदेशे वा मगधे |

07. बुद्धस्य भार्या नाम आसीत् -

- |           |               |               |            |
|-----------|---------------|---------------|------------|
| (1) गौतमी | (2) माया देवी | (3) किसागोतमी | (4) यशोधरा |
|-----------|---------------|---------------|------------|

08. सुत्तनिपातनिकायस्य अंशः अस्ति -

- |                     |                  |
|---------------------|------------------|
| (1) दीघनिकायः       | (2) मज्झिमनिकायः |
| (3) अङ्गुत्तरनिकायः | (4) खुद्दकनिकायः |

09. बौद्धधर्मस्य गीता का अस्ति -

- |                |               |                 |             |
|----------------|---------------|-----------------|-------------|
| (1) खुद्दकपाठः | (2) धेरी गाथा | (3) सुत्तनिपात् | (4) धम्मपदः |
|----------------|---------------|-----------------|-------------|

10. अधिधम्मपिटकग्रन्थे मुख्यविषयः अस्ति -

- |                                |                          |
|--------------------------------|--------------------------|
| (1) बुद्धाभिमतः दार्शनिकविचारः | (2) बौद्धः आचारशास्त्रः  |
| (3) क्षणभङ्गवादः               | (4) बुद्धस्य परिनिर्वाणः |

11. धम्मपदः अस्य निकायस्य अंशम् अस्ति -

- |                   |                  |
|-------------------|------------------|
| (1) दीघनिकायः     | (2) मज्झिमनिकायः |
| (3) संयुक्तनिकायः | (4) खुद्दकनिकायः |

12. बुद्धस्य जन्म अत्र अभवत् -

- |          |             |            |              |
|----------|-------------|------------|--------------|
| (1) पावा | (2) सारनाथः | (3) देवदहः | (4) लुम्बिनी |
|----------|-------------|------------|--------------|

13. बुद्धस्य प्रथमोपदेशः अत्र अभवत् -  
 (1) लुम्बिनी (2) श्रावस्ती (3) सारनाथः (4) कुशीनारा
14. 'मग्गानट्टुंगिको सेट्ठो' गद्यांशोऽयं अस्मिन् ग्रन्थे उद्धृतः अस्ति -  
 (1) थेरगाथा (2) सुत्तनिपातः (3) दीघनिकायः (4) धम्मपदं
15. धम्मपदं अस्ति -  
 (1) बौद्धदार्शनिकसिद्धान्तानां मञ्जूषा  
 (2) बौद्धराजनीतिशास्त्रस्य प्रतिपादकं ग्रन्थं  
 (3) बौद्धक्षणभङ्गवादस्य प्रतिपादकं ग्रन्थं  
 (4) बौद्धधर्मदर्शनाचारशास्त्रस्य प्रतिपादकं ग्रन्थं
16. पिटकानां संख्या अस्ति/सन्ति -  
 (1) चत्वारः (2) पञ्च (3) द्वौ (4) त्रयः
17. बौद्धसंघस्य मुख्य नियम अस्मिन् ग्रन्थे सङ्गृहीतं अस्ति -  
 (1) सुत्तपिटकः (2) अभिधम्म पिटकः  
 (3) बोधिसत्त्व पिटकः (4) विनय पिटकः
18. सुत्तपिटके निकायानां संख्या सन्ति -  
 (1) षट् (2) सप्त (3) त्रयः (4) पञ्च
19. प्राचीन बौद्ध-पालि काव्यस्य सर्वोत्कृष्टं निदर्शनं अस्मिन् ग्रन्थे अस्ति -  
 (1) इति वुत्तकः (2) धम्मपदं (3) सुत्तनिपातः (4) दीघनिकायः
20. त्रिपिटकस्य देवनागरी संस्करणस्य प्रथमप्रधानसम्पादकं अस्ति -  
 (1) भिक्षुः जगदीशः काश्यपः (2) महापण्डितः राहुलः सांकृत्यायनः  
 (3) डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् (4) भदन्तः आनन्दः कौसल्यायनः

14P/276/5

21. बौद्धनिकायानां संख्या: सन्ति -

- (1) अष्टादश (2) चत्वारः (3) एकादश (4) द्वादश

22. मुख्यबौद्धदार्शनिकप्रस्थानं अस्ति -

- (1) वज्रयानहीनयानसहजयानबोधिसत्वयानश्च  
(2) हीनयानमहायानसहजयानतन्त्रायानश्च  
(3) वैभाषिकसौत्रान्तिकयोगाचारमाध्यमिकश्च  
(4) धेरवादमाध्यमिकमहासांघिकलोकोत्तरवादश्च

23. वैभाषिकप्रस्थानस्य आधारभूतग्रन्थः अस्ति -

- (1) विज्ञप्तिमणो (2) विभाषा: (3) सुत्तपिटकः (4) ललितविस्तरः

24. अभिधर्मकोशस्य रचनाकारः अस्ति -

- (1) आर्यः असङ्गः (2) आर्यः मैत्रेयनाथपाहः  
(3) स्थिरमतिः (4) वसुबन्धुः

25. वर्तमानकाले अभिधर्मकोशस्य संस्कृतटीकायाः रचनाकारः आसीत् -

- (1) भदन्तः आनन्दः कौसल्यायनः (2) आचार्य नरेन्द्र देवः  
(3) भिक्षुः जगदीशः काश्यपः (4) महापण्डितः राहुलः सांकृत्यायनः

26. अभिधर्मदीपस्य सम्पादकः अस्ति: -

- (1) पी० एस० जैनी (2) राहुलः सांकृत्यायनः  
(3) टी० आर०वी० मूर्तिः (4) भिक्षुः जगदीशः काश्यपः

27. त्रिस्वभावनिर्देशस्य रचनाकारः अस्ति -

- (1) असंगः (2) वसुबन्धुः (3) ज्ञानश्रीमित्रः (4) मैत्रेयनाथः

28. बुद्धचरितस्य रचनाकारः अस्ति -

- (1) कुमार लालः (2) नार्गाजुनः (3) असङ्गः (4) अश्वघोषः

29. सौत्रान्तिक प्रस्थान: एतेषु ग्रन्थेषु आधृतः - अस्ति -
- |                     |                    |
|---------------------|--------------------|
| (1) बौद्धसूत्रान्तः | (2) अभिधर्मविभाषा: |
| (3) विनयपिटकः       | (4) महायानसूत्रः   |
30. जातकमालायाः रचनाकारः अस्ति -
- |              |                |              |              |
|--------------|----------------|--------------|--------------|
| (1) अश्वघोषः | (2) नागार्जुनः | (3) आर्यदेवः | (4) आर्यशूरः |
|--------------|----------------|--------------|--------------|
31. जातकमालायाः मुख्य विषयः अस्ति -
- |  |                           |
|--|---------------------------|
| (1) बुद्धस्य पूर्वजन्मानां परोपकारकथाः | (2) बुद्धस्य वर्तमानजीवनः |
| (3) बुद्धस्य दार्शनिकसिद्धान्तः        | (4) बौद्ध सङ्घस्यनियमाः   |
32. दृष्टिद्वष्टावभेदं चापेक्ष्य भ्रशं च कर्मणाम्।  
देशयन्ति बुद्धा धर्मं व्याघ्रीपोतापहारवत्॥  
कारिकोऽयं आचार्यस्य उक्तिमस्ति -
- |                            |                              |
|----------------------------|------------------------------|
| (1) नागार्जुनः - माध्यमिकः | (2) वसुबन्धुः - वैभाषिकः     |
| (3) आर्यदेवः - माध्यमिकः   | (4) कुमारलातः - सौत्रान्तिकः |
33. विज्ञानवादः (योगाचारः) प्रस्थानस्य आदि- आचार्यः अस्ति -
- |                 |            |               |              |
|-----------------|------------|---------------|--------------|
| (1) मैत्रेयनाथः | (2) असङ्गः | (3) स्थिरमतिः | (4) दिङ्नागः |
|-----------------|------------|---------------|--------------|
34. विज्ञानवादस्य आधारभूतग्रन्थोऽस्ति -
- |                                  |
|----------------------------------|
| (1) ललितविस्तारः                 |
| (2) लङ्कावतारसूत्रः              |
| (3) अष्टसाहस्रिका प्रज्ञापारमिता |
| (4) सप्तशतिका प्रज्ञापारमिता     |

14P/276/5

35. विज्ञप्तिमात्रमेवैतदसदर्शावभासनात् -वाक्यमिदं अस्य ग्रन्थस्य अंशमस्ति -  
(1) विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः (विंशतिका) (2) माध्यमिकः कारिका  
(3) वज्रसूची (4) त्रिंशिकारिका
36. विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः ग्रन्थस्य रचनाकारः अस्ति -  
(1) असङ्गः (2) स्थिरमतिः (3) वसुबन्धुः (4) धर्मपालः
37. वज्रसूच्याः रचनाकारः अस्ति -  
(1) आर्यदेवः (2) शङ्कराचार्यः (3) अश्वघोषः (4) मनुः
38. माध्यमिककारिकायाः रचनाकारः अस्ति -  
(1) बुद्धपालितः (2) चन्द्रकीर्तिः (3) आर्यदेवः (4) नागार्जुनः
39. आर्यदेवस्य रचना अस्ति -  
(1) माध्यमिककारिका (2) चतुःस्तवः  
(3) त्रिस्वभावनिर्देशः (4) चतुःशतक
40. हस्तवालप्रकरणः अस्य रचना अस्ति -  
(1) आर्यदेवः (2) आर्यशूरः (3) दिग्नागः (4) धर्मकीर्तिः
41. गण्डी-स्तोत्रगाथायाः रचनाकारः अस्ति -  
(1) आर्यदेवः (2) अश्वमुखः (3) अश्वघोषः (4) नागार्जुनः
42. प्रसन्नपद्यस्य रचनाकारः अस्ति -  
(1) नागार्जुनः (2) बुद्धभद्रः (3) बुद्धपालितः (4) चन्द्रकीर्तिः
43. बोधिचर्यावतारस्य रचनाकारः अस्ति -  
(1) शान्तिदेवः (2) नागार्जुनः (3) आर्यदेवः (4) चन्द्रकीर्तिः



44. बोधिचर्यावतारस्य मुख्यप्रतिपाद्य विषयोऽस्ति -  
 (1) महायानसम्मतः धार्मिकः दृष्टिः  
 (2) महायानाभिमतः षट्पारमिता सिद्धान्तः  
 (3) हीनयानः दर्शनः  
 (4) अधिधर्मः
45. बुद्धचरितस्य वर्ण्यविषयः अस्ति -  
 (1) बौद्धः आचारशास्त्रः  
 (2) बुद्धस्य दर्शनः  
 (3) बौद्धः सङ्घभेदः  
 (4) बुद्धस्य जीवनचरितः
46. बुद्धस्य मातुः नाम अस्ति -  
 (1) महाप्रजापति गौतमी  
 (2) गौतमी  
 (3) महामाया देवी  
 (4) यशोन्धरा
47. बुद्धस्य पितुः नाम आसीत् -  
 (1) शुद्धोधनः  
 (2) कपिलः  
 (3) जीवकः  
 (4) आनन्दः
48. बुद्धस्य प्रधानः शिष्यः आसीत् -  
 (1) आनन्दः  
 (2) मोग्गल्लानः  
 (3) कच्चायनः  
 (4) आर्यदेवः
49. योगाचारमतस्य प्रमुखसिद्धान्तं अस्ति -  
 (1) विज्ञप्तिमात्रता विज्ञानं वा  
 (2) शून्यता  
 (3) संज्ञावेदयिननिरोधः  
 (4) सत्यद्वयव्यवस्था
50. द्वे सत्ये समुपाश्रित्य बुद्धानां धर्मदेशना लोकसंवृतिसत्यं च सत्यं च परमार्थतः अस्या कारिकायाः रचनाकारः अस्ति -  
 (1) नागार्जुनः  
 (2) वसुबन्धुः  
 (3) आर्यदेवः  
 (4) चन्द्रकीर्तिः

14P/276/5

51. माध्यमिकदर्शनः मुख्यरूपेण अस्मिन् ग्रन्थे आधृतं अस्ति -  
(1) अष्टसाहस्रिका प्रज्ञापारमिता (2) वज्रच्छेदिका प्रज्ञापारमिता  
(3) कौशिकः प्रज्ञापारमिता (4) लङ्कावातारः सूत्र
52. वैभाषिके दर्शने मान्यता अस्ति -  
(1) निर्वाणस्य भावरूपता (2) निर्वाणस्य अभावस्वरूपं  
(3) निर्वाणस्य शून्यता (4) निर्वाणस्य नित्यता
53. वैभाषिकमतेः धर्मानां संख्या सन्ति -  
(1) पञ्चसप्तति (2) द्वयसप्तति (3) सप्तचत्वारिंशत् (4) चतुचत्वारिंशत्
54. नीलनीलबुद्धेः च अभेदविज्ञानस्य साधकः स्वीकृतम् -  
(1) योगाचारमते (2) सौत्रान्तिकमते (3) तन्त्रसिद्धान्तेषु (4) वैभाषिकमते
55. शून्यता सर्वदृष्टिनिःसरणस्वीकृतमस्ति -  
(1) विज्ञानवादे (2) माध्यमिकमते (3) वैभाषिकमते (4) सौत्रान्तिकमते
56. महायानसूत्रालङ्कारकारिकायाः रचनाकारः अस्ति -  
(1) आर्यमैत्रेयनाथः (2) आर्यसङ्गः  
(3) आर्यस्थिरमतिः (4) आचार्यः वसुबन्धुः
57. तत्त्वं चतुष्कोटिविनिर्मुक्तः मन्यते -  
(1) वैभाषिकः (2) सौत्रान्तिकः (3) माध्यमिकः (4) सहजयानी
58. मध्यमकशास्त्रे अस्य सिद्धान्तस्य प्रतिपादनं अभवत् -  
(1) माध्यमिकशून्यवादीत (2) वैभाषिकभाववादीदर्शनः  
(3) सौत्रान्तिकाभाववादी दर्शनः (4) योगाचारतान्त्रिकदर्शनः च

59. माध्यमिका मते शून्यता अस्ति -

- |                           |                        |
|---------------------------|------------------------|
| (1) सर्वदृष्टिनां निःसरणं | (2) सर्वभावानाम् अभावः |
| (3) नैरात्म्यस्य अभावः    | (4) आनन्दस्य पर्यायः   |

60. माध्यमिकमते निर्वाणः अस्ति -

- |                                 |                    |
|---------------------------------|--------------------|
| (1) भावाभावस्य परामर्शस्य क्षयः | (2) भावानाम् अभावः |
| (3) आत्मबोधः                    | (4) उच्छेदवादः     |

61. माध्यमिक मते अनुमानः -

- (1) स्वतन्त्ररूपे स्वीकृतमस्ति
- (2) स्वतन्त्ररूपे स्वीकृतम् नास्ति
- (3) वादेः मतस्य निरसनं हेतु प्रयुक्तं भवति
- (4) एकं सर्वमान्यप्रमाणमस्ति

62. बौद्धकारणतायाः सिद्धान्तं कथ्यते -

- |                   |                  |                  |                       |
|-------------------|------------------|------------------|-----------------------|
| (1) नैरात्म्यवादः | (2) क्षणभङ्गवादः | (3) संस्कृतधर्मः | (4) प्रतीत्यसमुत्पादः |
|-------------------|------------------|------------------|-----------------------|

63. नागार्जुनमते प्रतीत्यसमुत्पन्नभावं भवन्ति -

- |                |             |                   |               |
|----------------|-------------|-------------------|---------------|
| (1) निःस्वभावं | (2) शाश्वतं | (3) उच्छेदस्वभावं | (4) तर्कालीनः |
|----------------|-------------|-------------------|---------------|

64. वसुबन्ध्वानुसारिणः स्कन्धसंख्या सन्ति -

- |             |          |           |          |
|-------------|----------|-----------|----------|
| (1) चत्वारः | (2) द्वौ | (3) त्रयः | (4) पञ्च |
|-------------|----------|-----------|----------|

65. नात्मास्ति स्कन्धमात्रन्तु क्लेशकर्माभिसंस्कृतम्।

अन्तराभव सन्तत्या कुक्षिमेति प्रदीपवत्॥

कारिका इयं अस्य ग्रन्थस्य उद्घृतः अस्ति -

- |                  |                   |                 |                 |
|------------------|-------------------|-----------------|-----------------|
| (1) अभिधर्माभूतं | (2) अभिधर्मावतारं | (3) अभिधर्मदीपं | (4) अभिधर्मकोशं |
|------------------|-------------------|-----------------|-----------------|

14P/276/5

66. अभिधर्मदीपस्य सम्पादकः अस्ति -

- (1) डॉ. पी. एस. जैनी (2) डॉ. ए. एन. जानी  
(3) महापण्डितः राहुलः सांकृत्यायनः (4) भिक्षुः जगदीशः काश्यपः

67. वैभाषिकसम्मतः असंस्कृतधर्मानां संख्या सन्ति -

- (1) त्रयः (2) पञ्च (3) चत्वारः (4) षट्

68. आकाशः अस्ति -

- (1) संस्कृतधर्मः (2) असंस्कृतधर्मः  
(3) चैतसिकधर्मः (4) चित्तविप्रयुक्तधर्मः

69. प्रतिसङ्ख्या निरोध अस्ति एकः-

- (1) संस्कृतधर्मः (2) असंस्कृतधर्मः  
(3) चित्तविप्रयुक्तधर्मः (4) अनावृतधर्मः

70. "काश्मीरवैभाषिकः नीतिसिद्धः प्रायोमयायं कथितोऽभिधर्मः- कारिकाशमिदं अस्य आचार्यस्य उक्तिः अस्ति -

- (1) धर्मपालः (2) असङ्गः (3) मैत्रेयनाथः (4) वसुबन्धुः

71. योगाचार दार्शनिकः सत्यं मन्यते-

- (1) द्वौ (2) चत्वारः (3) एकः (4) त्रयः

72. योगाचारसम्मत त्रीणि सत्यानि सन्ति-

- (1) प्रत्यक्षं, आगमं, अनुमितिः  
(2) लोकसंवृतिः, तथ्यसंवृति, मिथ्यासंवृतिः  
(3) पूर्वान्तं, अपरान्तं, पूर्वान्तापरान्तं  
(4) परतन्त्रलक्षणं परिकल्पितलक्षणं, परिनिष्पन्नलक्षणं

73. शून्यतासप्ततिकारिका अस्य रचना अस्ति-  
 (1) चन्द्रकीर्तिः (2) आर्यदेवः (3) वसुबन्धुः (4) नागार्जुनः
74. युक्तिषष्टिकायाः लेखकः अस्ति-  
 (1) वसुबन्धुः (2) बुद्धपालितः (3) नागार्जुनः (4) चन्द्रकीर्तिः
75. तत्त्वसङ्ग्रहस्य रचनाकारः अस्ति-  
 (1) कमलशीलः (2) शान्तिदेवः (3) प्रज्ञाकरमतिः (4) शान्तरक्षितः
76. तत्त्वसङ्ग्रहे वर्णनमस्ति-  
 (1) माध्यमिकः तर्कपद्धत्या अन्यमतवादानां खण्डनं  
 (2) विज्ञानवादः (3) बौद्धन्यायः (4) बौद्ध-अभिधर्मः
77. सुहल्लेखस्य रचनाकारः अस्ति-  
 (1) चन्द्रगोमी (2) आर्यदेवः (3) नागार्जुनः (4) बाणभट्टः
78. सुहल्लेखः कं प्रति सम्बोधनं अस्ति-  
 (1) एकः सातवाहनः नृपतिः (2) श्री हर्षदेवः  
 (3) आर्यदेवः (4) मैत्रेयनाथः
79. सुहल्लेखस्य विषयः अस्ति-  
 (1) महायानसम्मतः राजधर्मः शीलं करुणा च  
 (2) योगाचारसिद्धान्तः  
 (3) अभिधर्मः  
 (4) न्यायशास्त्रं
80. पञ्चस्कन्धप्रकरणस्य रचनाकारः अस्ति-  
 (1) मैत्रेयनाथः (2) ज्ञानश्रीमित्रः (3) घोषकः (4) वसुबन्धुः

14P/276/5

81. महायानसम्मतः पारमितानां संख्या सन्ति-  
(1) दश (2) अष्ट (3) नव (4) षट्
82. 'शून्यता दुःखशमनी ततः किं जायते भयम्' वाक्यमिदं अनेन ग्रन्थेन उद्धृतः अस्ति -  
(1) माध्यमिककारिका (2) चतुःशतकः (3) महायानविंशकः (4) बोधिचर्यावतारः
83. बौद्धदर्शनः जगतं मन्यते-  
(1) क्षणभंगुरं अनित्यं (2) शाश्वतं आनन्दरूपं नित्यं च  
(3) विज्ञानरूपं (4) उच्छेदरूपं
84. बौद्ध अनात्मवादं मन्यते (स्वीकृतमस्ति)-  
(1) आत्मनः उच्छेदं (2) अहङ्कास्य प्रतिषेधं  
(3) सङ्घातस्य नाशः (4) क्षणभङ्गवादः
85. महायानस्य पूर्वगामी निकायः आसीत् -  
(1) अन्धकः (2) वैतुल्यकः (3) महासंधिकः (4) स्थविरवादी
86. बौद्ध न्यायस्य प्रवर्तकः अस्ति-  
(1) धर्मकीर्तिः (2) दिङ्नागः (3) वसुबन्धुः (4) नागार्जुनः
87. प्रमाणसमुच्चयस्य रचनाकारः अस्ति-  
(1) दिङ्नागः (2) धर्मकीर्तिः (3) शान्तरक्षितः (4) स्थिरमतिः
88. प्रमाणवार्तिकस्य लेखकमस्ति-  
(1) दिङ्नागः (2) धर्मकीर्तिः (3) प्रज्ञाकरगुप्तः (4) ज्ञानश्रीमित्रः
89. बौद्ध मते प्रमाणानां संख्याः सन्ति-  
(1) चत्वारः (2) त्रयः (3) द्वौ (4) एकः

90. विग्रहव्यावर्तन्याः रचनाकारः अस्ति-  
 (1) नागार्जुनः (2) आर्यदेवः (3) धर्मकीर्तिः (4) दिङ्नागः
91. 'प्रबन्धतन्त्रमाख्यातम्' वाक्यमिदं अनेन ग्रन्थेन उद्धृतं अस्ति-  
 (1) हेरूकसाधनः (2) गुह्यसमाजतन्त्रः  
 (3) हेवप्रतन्त्रः (4) हेरूकाधिधानतन्त्रः
92. कालचक्रतन्त्रस्य प्रथमः सम्पादकः अस्ति-  
 (1) डॉ० रघुवीरः लोकेशचन्द्रः (2) डॉ० विश्वनाथः बनर्जी  
 (3) पं० जगन्नाथः उपाध्यायः (4) पं० विद्यानिवासः मिश्रः
93. शाश्वतोच्छेदनिर्मुक्तं तत्त्वं सौगतसम्मतम् पंक्तिरियं अस्यः कृतेः अंशमस्ति -  
 (1) अद्वयवज्रः (2) पुण्डरीकः (3) नागार्जुनः (4) आर्यदेवः
94. कथावत्यु प्रकरणं अस्ति-  
 (1) त्रिपिटकस्य अंशः (2) बुद्धस्य जीवनी  
 (3) अधिधम्मपिटकस्य अट्टकथा (4) एकन्यायः ग्रन्थः
95. धम्मसङ्गणेः प्रतिपाद्यविषयमस्ति-  
 (1) बौद्धनैरात्म्यसिद्धान्तः (2) तर्कशास्त्रः  
 (3) अधिधर्मः विभज्यवादं च (4) बौद्धशास्त्रीयः विसंवादः
96. 'मिलिन्दपञ्चो' ग्रन्थस्य मुख्यः आचार्यः अस्ति-  
 (1) नागार्जुनः (2) नागसेनः (3) नागबोधिः (4) नागाह्वयः
97. अभिसमयालङ्कारस्य रचनाकारः अस्ति-  
 (1) नागार्जुनः (2) असङ्गः (3) वसुबन्धुः (4) मैत्रेयनाथः

14P/276/5

98. बोधिचर्यावतारपञ्जिकायाः लेखकः अस्ति-

- (1) प्रज्ञाकरमतिः (2) शान्तिदेवः (3) शान्तरक्षितः (4) कमलशीलः

99. नागार्जुनस्य आविर्भाकालः अस्ति-

- (1) 300 ई०पू० (2) 500 ई०पू० (3) 280 ई०पू० (4) द्वितीय शती/ई०

100. माध्यमिकाः तत्त्वं मन्यन्ते-

- (1) चतुष्कोटिविनिर्मुक्तं निःस्वभावं च (2) सत्स्वभावं  
(3) उच्छेदरूपं (4) भावरूपं

101. परमार्थं योगाचारमतावलम्बिनः मन्यन्ते-

- (1) अद्वैतस्वरूपं (2) परिनिष्पन्नलक्षणं  
(3) परतन्त्रलक्षणं (4) परिकल्पितलक्षणं

102. बौद्धतन्त्राणां प्रकाराः कोदयः सन्ति-

- (1) चत्वारः (2) त्रयः (3) पञ्च (4) द्वौ

103. बौद्धसिद्धानां संख्याः सन्ति-

- (1) अष्टचत्वारिंशत् (2) चतुरशीति (3) पञ्चसप्तति (4) शतम्

104. धातुनाम् संख्याः सन्ति-

- (1) द्वादश (2) षोडश (3) अष्टादश (4) दश

105. आयतनानाम् संख्याः सन्ति-

- (1) द्वादश (2) अष्टादश (3) षोडश (4) षट्

106. सत्यद्वयसिद्धान्तं मन्यन्ते-

- (1) माध्यमिकः (2) योगाचारः (3) वैभाषिकः (4) तान्त्रिकः



107. बौद्धतन्त्रस्य प्रमुखः यानः अस्ति-

- (1) वज्रयानः (2) महायानः (3) एकयानः (4) सहजयानः

108. बौद्धसिद्धेषु मुख्यतमः अस्ति-

- (1) सरहपादः (2) तन्त्रिपा (3) मीनषा (4) शान्तिषा

109. विमलप्रभा अस्य तन्त्रस्य टीका अस्ति-

- (1) हेवज्रतन्त्रः (2) हेरुकतन्त्रः  
(3) साधनमाला (4) कालचक्रतन्त्रराजः

110. पुण्डरीकस्य रचना अस्ति-

- (1) हेवज्रपञ्जिका (2) विमलप्रभा  
(3) हेरुकसाधनपञ्जिका (4) दोहाकोशगीति

111. दोहाकोशगीतेः रचनाकारः अस्ति-

- (1) सरहपा (2) कम्बलपादः  
(3) भर्तृहरिः (4) सहजकीर्तिः

112. योगाचारभूमेः रचनाकारः अस्ति-

- (1) वसुबन्धुः (2) मैत्रेयनाथः (3) असङ्गः (4) शीलभद्रः

113. अधिधर्मसमुच्चयः अस्य रचना अस्ति-

- (1) असङ्गः (2) नागार्जुनः (3) मैत्रेयनाथः (4) अश्वघोषः

114. साकारसिद्धिवादिनः अस्ति-

- (1) सहजयानी (2) योगाचारः विज्ञानवादी  
(3) माध्यमिकः (4) सौत्रान्तिकः

14P/276/5

115. अस्तित्वं ये तु पश्यन्ति नास्तित्वं चाल्प बुद्धयः।

भावानां ते न पश्यन्ति द्रष्टव्योपशमं शिवम्॥

इयं कारिका अनेन ग्रन्थेन उद्धृतः अस्ति-

- |                      |                   |
|----------------------|-------------------|
| (1) विग्रहव्यावर्तनी | (2) शून्यतासप्तति |
| (3) माध्यमिककारिका   | (4) चतुःषष्टिका   |

116. दुःखजातिजराअनित्यतः च एषां लक्षणः सन्ति-

- |                   |                  |                   |                  |
|-------------------|------------------|-------------------|------------------|
| (1) अव्याकृतधर्मः | (2) संस्कृतधर्मः | (3) असंस्कृतधर्मः | (4) चैतासिकधर्मः |
|-------------------|------------------|-------------------|------------------|

117. आर्यशालिस्तम्बसूत्रस्य प्रथमपुनरुद्धारकः सम्पादकः च अस्ति-

- |                                  |
|----------------------------------|
| (1) आचार्यः अय्यास्वामी शास्त्री |
| (2) डॉ० वी० वी० गोखलेः           |
| (3) डॉ० पी० पी० बापरः            |
| (4) डॉ० प्रहलाद प्रधानः          |

118. महायानविंशकस्य संस्कृते पुनरुद्धारकर्ता अस्ति-

- |                              |                            |
|------------------------------|----------------------------|
| (1) डॉ० प्रहलादः प्रधानः     | (2) डॉ० म०म०प०विधुशेखः     |
| (3) डॉ० सुनीतिः कुमारः पाठकः | (4) पं० जगन्नाथः उपाध्यायः |

119. योगाचारभूमिशास्त्रस्य प्रथमभागस्य सम्पादकः अस्ति-

- |                             |                                 |
|-----------------------------|---------------------------------|
| (1) म०म०प० विधुशेखरशास्त्री | (2) मं० पं० राहुलः सांकृत्यायनः |
| (3) डॉ० नलिनाक्षः दत्तः     | (4) डॉ० पी० वी० बापरः           |

120. कर्मविभङ्गस्य सम्पादकः अस्ति-

- |                            |                         |
|----------------------------|-------------------------|
| (1) डॉ० वी० वी० गोखलेः     | (2) डॉ० ना० हे० सामतापी |
| (3) डॉ० रामचन्द्र पाण्डेयः | (4) डॉ० पी० बी० बापरः   |

121. प्रमाणवार्तिकस्य प्रज्ञालंकारटीकायाः लेखकः अस्ति-

- (1) प्रज्ञाकरगुप्तः (2) विमलसूरिः (3) अर्चटः (4) अभयाकरगुप्तः

122. प्रतीत्यसमुत्पादस्य अपरः नाम अस्ति-

- (1) सङ्घातवादः (2) क्षणभङ्गवादः (3) आरम्भवादः (4) परिणामवादः

123. प्रतीत्यसमुत्पादस्य भवाङ्गः अस्ति-

- (1) द्वादश (2) दश (3) नव (4) अष्ट

124. अविद्या अस्ति-

- (1) पूर्वजन्मस्य कर्मदशाः (2) पूर्वजन्मस्य क्लेशदशाः  
(3) भावी कर्मदशाः (4) भावी अज्ञानः

125. साकारसङ्ग्रहशास्त्र साकारसङ्ग्रहसूत्रस्य च रचनाकारः अस्ति-

- (1) रत्नकीर्तिः (2) ज्ञानश्रीमित्रः (3) यशोमित्रः (4) ललितवज्रः

126. रत्नकीर्तिः निबन्धवल्याः सम्पादकः अस्ति-

- (1) श्री अनन्तलालठाकुरः (2) डॉ. रामचन्द्रः पाण्डेयः  
(3) डॉ. हेरम्बनाथः चट्टोपाध्यायः (4) पं० खदरीना शुक्लः

127. बौद्धतन्त्रेषु निर्वाणं कथ्यते -

- (1) सुखराजः (2) शिवरूपः (3) दुःखरूपः (4) निरोधः

128. महायान सूत्र अस्थां भाषायाम् लिख्यते -

- (1) लौकिक संस्कृते (2) बौद्ध संस्कृते (3) छान्दसि (4) पाले :

14P/276/5

129. सर्वदृष्टि प्रहाणाय वः सद्धर्मदेशयत।

अनुकम्पामुपादाय तं नमस्यामि गौतमम्॥

कारिकामियं अनेन कृतिना उद्धृतः अस्ति -

- |                         |                      |
|-------------------------|----------------------|
| (1) महायानसूत्रालङ्कारः | (2) चतुःस्तवः        |
| (3) चतुःशतकः            | (4) माध्यमिकः कारिका |

130. विसुदिमगो अस्य रचना अस्ति -

- |              |                |               |               |
|--------------|----------------|---------------|---------------|
| (1) धम्मपालः | (2) धर्मत्रातः | (3) बुद्धघोषः | (4) बोधिधर्मः |
|--------------|----------------|---------------|---------------|

131. पालि अष्टकथानां प्रमुखः रचनाकारः अस्ति -

- |               |              |                        |               |
|---------------|--------------|------------------------|---------------|
| (1) बुद्धपालः | (2) धम्मपालः | (3) राहुल सांकृत्यायनः | (4) बुद्धघोषः |
|---------------|--------------|------------------------|---------------|

132. जातककथानां पाल्याः हिन्दी-अनुवादं कृतः -

- |                                    |                              |
|------------------------------------|------------------------------|
| (1) भिक्षुः धर्मरक्षितः            | (2) भिक्षुधर्मपालः           |
| (3) महापण्डितः राहुलः सांकृत्यायनः | (4) पदन्तः आनन्दः कौसल्यायनः |

133. विसुदिमगः अस्त्येक :-

- |                        |                                 |
|------------------------|---------------------------------|
| (1) टीका ग्रन्थः       | (2) अधिधर्मस्य प्रतिपादकग्रन्थः |
| (3) एका आधुनिकपालिरचना | (4) एकः संस्कृतग्रन्थः          |

134. विदेशेषु बौद्धधर्मस्य प्रचारः अकारयत् -

- |                        |                  |
|------------------------|------------------|
| (1) चन्द्रगुप्त मौर्यः | (2) बिन्दुसारः   |
| (3) अशोकः              | (4) समुद्रगुप्तः |

135. धम्मस्य वर्णनं एषु शिलालेखेषु प्राप्यते -

- |                |             |                  |           |
|----------------|-------------|------------------|-----------|
| (1) रुद्रदामनः | (2) खारवेलः | (3) समुद्रगुप्तः | (4) अशोकः |
|----------------|-------------|------------------|-----------|

136. गिरनारस्य चतुर्दशशिलालेखाः अयम् राजा उत्कीर्णयत् -  
 (1) कनिष्कः (2) चन्द्रगुप्त मौर्यः (3) अशोकः (4) रुद्रदामनः
137. बौद्ध सदाचारपालनस्य आह्वानः अयं राजा शिलालेखैः अकरोत्  
 (1) बिन्दुसारः (2) कनिष्कः (3) खारखेलः (4) अशोकः
138. भेरीघोषधर्मघोषस्य च उल्लेखं अस्य राज्ञः लेखेषु प्राप्यते -  
 (1) कनिष्कः (2) चन्द्रगुप्त मौर्यः (3) सातवाहनः (4) अशोकः
139. सिंहलदेशे ( श्रीलंका ) बौद्धधर्मप्रचारार्थं अशोकः इमौ प्रेषितः -  
 (1) महेन्द्रः संधमित्रा च (2) कुणालः महेन्द्रः  
 (3) खारखेलः संधमित्रा (4) प्रभावती राज्यवर्धनः
140. अयं राजा बौद्धधर्मं अंगीकृतः  
 (1) हर्ष वर्धनः (2) राज्य वर्धनः (3) प्रभाकर वर्धनः (4) प्रभावती गुप्ता
141. अयं राजा सर्वप्रथमं स्वदूतं सीरियादेशे प्रेषितः-  
 (1) बिन्दुसारः (2) चन्द्रगुप्तः मौर्यः (3) चन्द्रगुप्तः प्रथमः (4) अशोकः
142. ज्ञानश्रीमित्रनिबन्धावल्याः मुख्य प्रतिपाद्यः विषयः अस्ति -  
 (1) बौद्धन्यायः (2) बौद्धः आचारशास्त्रः  
 (3) बौद्धकला (4) बौद्धनिकायेतिहासः
143. प्राचीन समये विश्वविख्यातः भारतीय विश्वविद्यालयः आसीत् -  
 (1) नालन्दा, तक्षशिला, विक्रमशिला (2) इन्द्रप्रस्थः, कलिकाता, प्रयागः  
 (3) पूणे, मद्रपुरी, जयपुरः (4) कटकः, भुवनेश्वरः, ओदन्तपुरी

14P/276/5

144. सरहपा अस्य विश्वविद्यालयस्य आचार्य आसीत् -

- (1) तक्षशिला (2) विक्रमशिला (3) नालन्दा (4) पूणे

145. असङ्गः अस्य शिष्यः आसीत् -

- (1) मैत्रेयनाथः (2) वसुबन्धुः (3) नागार्जुनः (4) आर्यदेवः

146. बौद्ध शिक्षायाः मुख्यप्रयोजनं आसीत् -

- (1) जनेषु शीलकरूपासौहार्दस्थपनां (2) शास्त्रार्थं  
(3) धर्मप्रचारं (4) सनातन धर्मस्य उच्छेदः

147. बौद्धशिक्षायाः त्रिस्र प्रकाराः आसन् -

- (1) अधिशीलः, अधिचितः अधिप्रसः च  
(2) आधि भौतिकः अन्धिदैविकः अध्यात्मिकः च  
(3) दुःखं अनित्यं अनात्मं च  
(4) सुतं अधिधम्मं विनयं

148. लङ्कावतारसूत्रस्य प्रथमसम्पादकः अस्ति -

- (1) शरच्चन्द्रः दासः (2) विधुशेखरः भट्टाचार्यः  
(3) राजेन्द्रः लालमित्रः (4) राहुलः सांकृत्यायनः

149. ललितविस्तरः अस्ति -

- (1) बुद्धस्य प्रथमजीवनी (संस्कृत भाषायां)  
(2) महायानसिद्धान्तानां प्रतिपादकः अन्तिमग्रन्थः  
(3) बौद्धनैरात्म्यवादस्य प्रतिपादकः  
(4) बौद्धदुःखवादस्य प्रतिपादकः

150. भगवतः बुद्धस्य अनुसारं दुःखस्य हेतुः अस्ति -

- (1) अविद्या (2) संस्कारः (3) विज्ञानः (4) वेदना

14P/276/5

**ROUGH WORK**  
रफ़ कार्य

23

P.T.O.

## अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

(इस पुस्तिका के प्रथम आवरण पृष्ठ पर तथा उत्तर-पत्र के दोनों पृष्ठों पर केवल नीली-काली बाल-प्वाइंट पेन से ही लिखें)

1. प्रश्न पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के अन्दर ही देख लें कि प्रश्नपत्र में सभी पृष्ठ मौजूद हैं और कोई प्रश्न छूटा नहीं है। पुस्तिका दोषयुक्त पाये जाने पर इसकी सूचना तत्काल कक्ष-निरीक्षक को देकर सम्पूर्ण प्रश्नपत्र की दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लें।
2. परीक्षा भवन में लिफाफा रहित प्रवेश-पत्र के अतिरिक्त, लिखा या सादा कोई भी खुला कागज साथ में न लायें।
3. उत्तर-पत्र अलग से दिया गया है। इसे न तो मोड़ें और न ही विकृत करें। दूसरा उत्तर-पत्र नहीं दिया जायेगा। केवल उत्तर-पत्र का ही मूल्यांकन किया जायेगा।
4. अपना अनुक्रमांक तथा उत्तर-पत्र का क्रमांक प्रथम आवरण-पृष्ठ पर पेन से निर्धारित स्थान पर लिखें।
5. उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर पेन से अपना अनुक्रमांक निर्धारित स्थान पर लिखें तथा नीचे दिये वृत्तों को गाढ़ा कर दें। जहाँ-जहाँ आवश्यक हो वहाँ प्रश्न-पुस्तिका का क्रमांक तथा सेट का नम्बर उचित स्थानों पर लिखें।
6. ओ० एम० आर० पत्र पर अनुक्रमांक संख्या, प्रश्नपुस्तिका संख्या व सेट संख्या (यदि कोई हो) तथा प्रश्नपुस्तिका पर अनुक्रमांक और ओ० एम० आर० पत्र संख्या की प्रविष्टियों में उपरिलेखन की अनुमति नहीं है।
7. उपर्युक्त प्रविष्टियों में कोई भी परिवर्तन कक्ष निरीक्षक द्वारा प्रमाणित होना चाहिये अन्यथा यह एक अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
8. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के वैकल्पिक उत्तर के लिए आपको उत्तर-पत्र की सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये वृत्त को उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों के अनुसार पेन से गाढ़ा करना है।
9. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए केवल एक ही वृत्त को गाढ़ा करें। एक से अधिक वृत्तों को गाढ़ा करने पर अथवा एक वृत्त को अपूर्ण भरने पर वह उत्तर गलत माना जायेगा।
10. ध्यान दें कि एक बार स्याही द्वारा अंकित उत्तर बदला नहीं जा सकता है। यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो संबंधित पंक्ति के सामने दिये गये सभी वृत्तों को खाली छोड़ दें। ऐसे प्रश्नों पर शून्य अंक दिये जायेंगे।
11. रफ कार्य के लिए प्रश्न-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के अंदर वाला पृष्ठ तथा उत्तर-पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ का प्रयोग करें।
12. परीक्षा के उपरान्त केवल ओ एम आर उत्तर-पत्र परीक्षा भवन में जमा कर दें।
13. परीक्षा समाप्त होने से पहले परीक्षा भवन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
14. यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करता है, तो वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दंड का/की, भागी होगा/होगी।

